

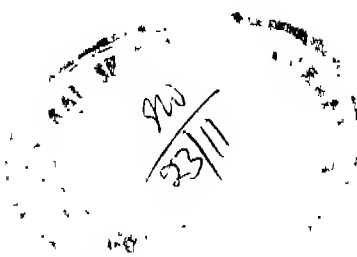


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 306]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 12, 1989, ज्येष्ठ 22, 1911

No. 306]

NEW DELHI, MONDAY, JUNE 12, 1989/JYAISTHA 22, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संग्रहण के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 12 जून, 1989

सं. 28/89—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा. का. नि. 612(अ) :- केन्द्रीय सरकार का यह
समाधान हो गया है कि उस प्रथा के अनुसार, जो केन्द्रीय
उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1)
की धारा 3 के अधीन उत्पाद शुल्क के उद्घरण की बाबत
(जिसके अंतर्गत उसका उद्घरण न किया जाना है) साधारण-
तया प्रचलित था, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ऐक्ट अधिनियम,
1985 (1986 का 5) की अनुसूची के अध्याय 48 के
अन्तर्गत आने वाले रजिस्ट्रारों, लेखा पुस्तकों, नोट बुकों, आर्डर,
बुकों, रसिद बहियों, पत्राईयों, ज्ञान नोटों, डाकियों और इसी
प्रकार की वस्तुओं, कारियों, सेखरा पैडों, जिखवन्दों (खुले
पन्ने या अन्य), फाइलों, फाइलबंदियों, विविध कारवार प्रणालियों

अन्तः पत्रित कार्बोनेटों और कागज या पेपर बोर्ड की लेखन
सामग्री की अन्य वस्तुओं, कागज या पेपर बोर्ड के नमूनों
अथवा संग्रहों और बुक कवरों के लिए एनवर्गों (जिन्हें
इसमें इसके पश्चात् ऐसी लेखन सामग्री की मदों के रूप में
निर्दिष्ट किया गया है) पर उत्पाद शुल्क उक्त धारा 3 के
अधीन 28 फरवरी, 1986 से प्रारंभ होने वाली और 28
फरवरी, 1987 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान
उद्घुहीत नहीं किया जा रहा था ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और
नमक अधिनियम की धारा 11ग द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का
प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त प्रथा के न होने
पर, ऐसी लेखन-सामग्री की मदों पर, उक्त अधिनियम के
अधीन संशय समस्त उत्पाद शुल्क का ऐसी लेखन सामग्री की
मदों की बाबत संशय किया जाना अधिकृत नहीं होगा, जिन
पर उक्त उत्पाद शुल्क उक्त प्रथा के अनुसार पूर्वोक्त अवधि
के दौरान उद्घुहीत नहीं किया गया था।

[सं.सं. 61/2/87 - ग. एक्स -4]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 12 June, 1989

No. 28/89-CENTRAL EXCISES (NT)

G.S.R. 612 (1) :— Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on registers, account books, note books, order books, receipt books, letter pads, memorandum pads, diaries and similar articles, exercise books, blotting pads, binders (loose-leaf or other), folders, file covers, manifold business forms, interleaved carbonsets and other articles of stationery of paper or paper board; albums for samples or for collections and book covers of paper or paper board, (hereafter referred to as such stationery items), falling within Chapter 48 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), was not being levied under the said section 3 during the period commencing on the 28th day of February, 1986 and ending with the 28th day of February, 1987.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the said Central Excises and Salt Act, the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise payable under the said Act, on such stationery items but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such stationery items on which the said duty of excise was not levied during the period aforesaid in accordance with the said practice.

[F. No. 61/2/87-CX-4]

सं. 29/89 — केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा. का. नि. 613 (प्र) :— केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उस प्रथा के अनुसार, जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन उत्पाद शुल्क के उद्ग्रहण की बाबत (जिसके अंतर्गत उसका उद्ग्रहण न किया जाता है) साधारणतया प्रचलित थी, उक्त अधिनियम की पहली अनुसूची की मद सं. 26कक (1क) के जैसी कि वह केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) के प्रारंभ से पूर्व थी, अंतर्गत आने वाले लोहे और इस्पात के ऐसे आयातकार उत्पादों पर, जिसकी मोटाई 3 मि. मी. से कम और चौड़ाई 75 मि. मी. और उसमें अधिक किन्तु 200 मि. मी. से अधिक हो, उत्पाद शुल्क उक्त धारा 3 के अधीन 13 अप्रैल, 1982 से प्रारंभ होने वाली और 6 अक्टूबर, 1982 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान उद्ग्रहीत नहीं किया जा रहा था ;

और पूर्वोक्त अवधि के दौरान लोहे तथा इस्पात के उक्त आयातकार उत्पादों पर उद्ग्रहण से संबंधित सुसंगत विधि के अधीन विशेष उत्पाद शुल्क भी उद्ग्रहीत नहीं किया जा रहा था ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निवेश देती है कि उक्त प्रथा के न होने पर, लोहे या इस्पात के ऐसे आयातकार उत्पादों पर उक्त अधिनियम के अधीन या उक्त विधि के अधीन संवेद्य समस्त उत्पाद शुल्क और विशेष उत्पाद शुल्क का, लोहे और इस्पात के ऐसे आयातकार उत्पादों की बाबत संदाय किया जाना अपेक्षित नहीं होगा जिन पर उक्त उत्पादशुल्क और विशेष उत्पाद शुल्क उक्त प्रथा के अनुसार, पूर्वोक्त अवधि के दौरान उद्ग्रहीत नहीं किया गया था।

[फा. सं. 139/6/87 — सी एक्स — 4]

एस. बी. बी. राव, अवर सचिव

No. 29/89-CENTRAL EXCISES (NT)

G.S.R. 613 (E) :— Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof), under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on the rectangular products of iron and steel, having thickness of less than 3 mm and width 75 mm and above but not more than 200mm, falling under item No. 26AA(ia) of the First Schedule to the said Act as it existed prior to the commencement of the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), was not being levied under the said section 3 during the period commencing on the 13th April, 1982 and ending with the 6th October, 1982;

And, whereas the Special duty of excise on the said rectangular products of iron and steel was also not being levied under the relevant Law relating to the levy of such duty during the period aforesaid ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the said Act, the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise and special duty of excise payable under the said Act or under the said Law, on such rectangular products of iron and steel, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such rectangular products of iron and steel, on which the said duty of excise and special duty of excise were not levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F.No 139/6/87-CX.4]

M.V.B. RAO, Under Secy.